United News of India

UNI यूनीवार्ता
भारत की अग्रणी संवाद समिति

उत्तर प्रदेश-गर्भवति महिलाएं

गर्भवति महिलाओं की सेहत सुधारेंगे पांच लाख स्वास्थ्य कर्मी

वाराणसी, 30 जनवरी (वार्ता) गर्भवति महिलाओं एवं उनकी कोख में पल रहे शिशुओं की डायबीटीज के अलावा सेहत संबंधी अन्य देखभाल जागरूकता के लिए भारत में अगले एक वर्ष में पांच लाख स्वाथ्य कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दक्षिण-पूर्व एशिया में महिलाओं से जुड़ी बीमारियों का समुचित समाधान का लक्ष्य लेकर चलने का दावा करने वाली अंतरराष्ट्री संस्थाएं - प्रिग्नेंसी एंड नॉन कम्यूनिकेबल डिजीजेज कमिटी (पीएनसीडीसी) एवं इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ गायनोकोलॉजी एवं ऑब्सटीट्रिक्स (एफआईजीओ) ने वर्ल्ड डायबीटीज फाउंडेशन डेनमार्क (डब्ल्यूडीएफडी) के सहयोग से उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गुरुवार को जागरूकता एवं प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत की।

इस अवसर पर पीएनसीडी एवं एफआईजीओ के अध्यक्ष डॉ० मोशे होड, उपाध्यक्ष डॉ० हेमा दीवाकर एवं सदस्य डॉ० लिओना सी वाई पूड, उत्तर प्रदेश डायबीटीज प्रेवेंशन कंट्रोल के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं डब्ल्यूडीएफडी से जुड़े डॉ० राजेश जैन समेत अनेक डॉक्टर एवं गणमान्य लोग मौजूद थे।

प्रशिक्षण की अगुवायी कर रहीं विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की सलाहकार डॉ० दीवाकर ने संस्थाओं द्वारा किये गए ताजा सर्वे का हवाला देते हुए संवादाताओं को बताया कि डायबिटीज़ भारत के 80 मिलियन लोगों तक पहुंच चुकी है तथा अगले दशक में इसमें 74 फीसदी विस्तार की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह डायबिटीज़ की स्थिति है। यदि हम मोटापा, हाईपरटेंशन एवं एनीमिया से पीड़ित लोगों की भी गणना करें, तो उनकी संख्या बहुत ज्यादा है। इन बीमारियों का सबसे अधिक शिकार महिलाएं हैं। उनमें गर्भवति महिलाओं की संख्या अधिक है।

उन्होंने कहा कि इसी के मद्देनजर संस्था ने सेहत से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए युद्धस्तर पर 'एक्ट टुडे टू चेंज टुमारो' की प्रिवेंटिव कार्ययोजना अपनाने के बहुआयामी दृष्टिकोण पर काम शुरु किया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में गत 18 माह में 1200 डॉक्टर्स एवं 844 स्टाफ नर्सों को प्रशिक्षण दिये गए हैं, जो स्वास्थ्य से जुड़े बड़ी संख्या में लोगों को प्रशिक्षित करेंगे। उन्होंने बताया अगले साल तक देश के पांच लाख लोगों को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य के तहत अभियान शुरु किया गया है।

डॉ० जैन ने उत्तर प्रदेश में हाल के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 60 लाख गर्भवति महिलाएं डायबीटीज से पीड़ित पायी गई हैं। इसी आंकड़े को आधार मानकर गर्भवति महिलाओं एवं उनकी कोख में पल रहे शिशुओं को डायबीटीज से बचाने के उपायों पर गंभीतापूर्वक कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 50 जिलों के 2000 डॉक्टरों समेत 12000 विभिन्न स्तर के स्वस्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है जो जागरूकता अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार की ओर से बीमारियों के इलाज के साथ-साथ उनके बचाव के उपायों पर गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं।

बीरेंद्र त्यागी
वार्ता

http://www.univarta.com/news/uttar-pradesh/story/1871419.html